भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2223 #

गुरूवार, 06 अगस्त, 2026/15 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन क्षेत्र को सुदृढ़ करना

2223 # डा. संदीप कुमार पाठकः

श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाणः

डा. परमार जशवंतसिंह सालमसिंहः

श्री लहर सिंह सिरोयाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) डिजिटल मंचों, गंतव्य ब्रांडिंग तथा अंतर्राष्ट्रीय विपणन अभियानों के माध्यम से भारत के पर्यटन क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को सुदृढ़ करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या पर्यटक सेवाओं, गंतव्य संबंधी जानकारी, बुकिंग तथा शिकायत निवारण को एक एकीकृत मंच के माध्यम से समेकित करने हेतु कोई डिजिटल तंत्र विकसित किया गया है; और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने विवाह पर्यटन, स्वास्थ्य-कल्याण पर्यटन, जहाज़ पर्यटन तथा ग्रामीण पर्यटन सहित विशिष्ट पर्यटन क्षेत्रों को बढ़ावा देने हेतु कोई कार्यनीति तैयार की है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) विगत तीन वर्षों के दौरान अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन, पर्यटकों के औसत व्यय तथा रोजगार एवं आर्थिक वृद्धि में पर्यटन के योगदान में सुधार हेतु क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय भारत के पर्यटन क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के उद्देश्य से कई संवर्धनात्मक पहलों के माध्यम से देश भर में पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर बनाने हेतु पर्यटन स्थलों का संवर्धन करता है। ये पहलें भारतीय मिशनों, राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों और निजी हितधारकों के सहयोग से की जाती हैं तथा इसमें अंतर्राष्ट्रीय यात्रा मेलों

एवं प्रदर्शनियों में भागीदारी, रोड शो और परिचयात्मक दौरों का आयोजन (एफएएम), इंफ्लुएंसर कार्यक्रम, पर्यटन कार्यक्रमों में सहयोग एवं उनका आयोजन तथा डिजिटल और सोशल मीडिया आउटरीच शामिल हैं।

मंत्रालय ने अतुल्य भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म (आईआईडीपी) को एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया है, जो देश भर में भागीदार प्लेटफार्मों के माध्यम से गंतव्य संबंधी जानकारी, बहुभाषी सामग्री, सुनियोजित यात्रा कार्यक्रम और फ्लाईट, होटलों, कैब, बसों और एएसआई स्मारक के टिकटों के लिए परस्पर एकीकृत बुकिंग सेवाएं प्रदान करता है।

मंत्रालय ने सतत पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, ग्रामीण होमस्टे, एमआईसीई पर्यटन, रोमांच पर्यटन, चिकित्सा एवं अरोग्य पर्यटन और इको-पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है तथा कार्यान्वयन के लिए उन्हें सभी राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को परिचालित किया है। मंत्रालय अपनी घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रचार पहलों के माध्यम से विवाह, आरोग्य, क्रूज, तटीय, ग्रामीण और आध्यात्मिक पर्यटन सहित विशिष्ट पर्यटन क्षेत्रों का भी संवर्धन करता है।

इसके अलावा, पिछले तीन वर्षों के लिए अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन (आईटीए) और विदेशी मुद्रा आय (एफईई) का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष	**आईटीए**	**एफईई (करोड़ रू में)**
2023	1,88,99,210	2,66,045
2024	2,05,68,622	2,93,033
2025	2,02,17,769	2,76,831

पिछले तीन वर्षों के दौरान कुल रोजगार (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) में पर्यटन क्षेत्र का अनुमानित योगदान निम्नानुसार है:

वर्ष	**कुल रोजगार (करोड़ में)**
2022-23	7.61
2023-24	8.46
2024-25	9.99

******